कदनाबांध और बन्सवाड़ा के निकट बजाज सागर बांध प्रस्तावित है । सीमित व्यय राशियों को, जिनका प्रबन्ध राजस्थान सरकार चौथी योजना के दौरान कर सकती है, ध्यान में रखते हुए बजाज सागर बांध का काम स्थगित कर दिया गया हैं ।

(ख) जी हां । एक विवरण सभा पटल पर रखा गया है । [पुस्तकालय में रखा गया। देखिये संख्या एल० टी०—1036/67]

(ग) मूल बन्सवाड़ा परियोजना 1958 में स्वीकार की गई थी । परन्तु इस पर शीघ्र कार्य आरम्भ न किया गया क्योंकि एक बृहत्तर बहूद्देश्यीय परियोजना वांछनीय समझी गयी और गुजरात और राजस्थान सरकारों के बीच समझौता केवल 1966 में हो पाया ।

जाखम नदी परियोजना

5610. श्री ओंकार लाल बोहरा : क्या सिंचाई और विद्युत् मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या राजस्थान सरकार ने जाखम नदी परियोजना के बारे में प्रस्ताव प्रस्तुत किया है;

(ख) यदि हां, तो कब तथा यह इस समय किस अवस्था में है;

(ग) क्या यह सच हैं कि उक्त परियोजना राजस्थान के सीमित संसाधनों के कारण कार्यान्वित न की जा सकी; और

(घ) क्या यह भी सच है कि प्रस्तावित बांध के नीचे पिक-अप बांध बनाये जाने के बावजूद भी उपरोक्त पिक-अप बांध बेकार है क्योंकि पानी लगातार नहीं बहता है ?

सिंचाई और विद्युत मंत्री (डा० कु० ल० राव) : (क) से (ग). राजस्थान सरकार द्वारा प्रस्तुत जाखम नदी परियोजना कार्यान्विति के लिए 1962 में स्वीकार की गई थी । पिक-अप वियर और बाएं तट वाली 14 मील की छोटी नहर का काम लगभग पूरा हो चुका है । चिनाई बांध और नहर प्रणाली के शेष भाग का काम पर्याप्त व्यय राशि न मिलने के कारण रुक गया है ।

(घ) पिक-अप वियर और छोटी नहर से लगभग 4000 एकड़ भूमि को लाभ पहुंचेगा ।

Ayurvedic Medicines in C.G.H.S. Ayurvedic Dispensaries

5611. **Shri M. L. Sondhi:**
Shri Beni Shanker Sharma:
Shri K. P. Singh Deo:
Shri Kameshwar Singh:
Shri K. M. Madhukar:
Shri P. N. Solanki:
Shri Dhireswar Kalita:
Shri N. S. Sharma:
Shri Ram Singh Ayarwal:
Shrimati Tarkeshwari Sinha:

Will the Minister of **Health and Family Planning** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that some essential and effective ayurvedic medicines like SWAS KASA CHINTAMANI MAKARADHWAJA, YOGENDRARAS, SWAR NA BASANT MALTI, etc. used in emergency have been deleted from the approved list of medicines for Central Government Health Scheme Ayurvedic dispensaries; and

(b) if so, the reasons therefor?

The Minister of Health and Family Planning (Dr. S. Chandrasekhar): (a) and (b). These are costly medicines and have been deleted from the general list. However, any of these medicine if essential in any case can be prescribed and procured on the advice of the Ayurvedic Adviser. This procedure has been adopted to ensure that costly medicines are not prescribed where more economical medicines of equal theraupatic value can serve the purpose.